आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, शनिवार, 20 जून 2026

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज़ की आलोचना करनी होगी, उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

वर्ष 18 अंक 288 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 41.3°C (+3.3) न्यूनतम 29.8°C(+2.8) सेंसेक्स 76,802.90 (-607.08) निफ्टी 24,013.10 (-154.90) सोना 1,46,010 चांदी 2,50,000 मुद्रा - डालर 94.37 दिरहम 25.69 रियाल 25.16

सिकल सेल बीमारी पर विशेषज्ञों ने दी अहम जानकारियां

◎ विश्व सिकल सेल जागरुकता दिवस पर एरा यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम

लखनऊ (सं)। आनुवंशिक बीमारियों के प्रति जागरुकता बढ़ाने और समय रहते पहचान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एरा यूनिवर्सिटी में विश्व सिकल सेल जागरुकता दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञों, शिक्षकों और छात्रों ने भाग लेकर सिकल सेल रोग की गंभीरता, रोकथाम और उपचार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि सिकल सेल एनीमिया आज भी कई समुदायों, विशेषकर दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों में एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। समय पर स्क्रीनिंग, सही परामर्श और शुरुआती पहचान के जरिए इस बीमारी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। साथ ही मेडिकल छात्रों से समाज में स्वास्थ्य जागरुकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव प्रो. तारिक महमूद के संबोधन से हुई। वैज्ञानिक सत्र में विशेषज्ञों ने सिकल सेल रोग के लक्षण, निदान, उपचार और बचाव के आधुनिक तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी।

वक्ताओं ने बताया कि आनुवंशिक जांच और समय पर चिकित्सकीय सलाह से रोग के दुष्प्रभावों को नियंत्रित किया जा सकता है। जागरुकता अभियान के तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। एमबीबीएस छात्रों की 25 टीमों ने सिकल सेल रोग से जुड़े विषयों पर रचनात्मक और शोध आधारित प्रस्तुतियां दीं। विशेषज्ञों की निर्णायक समिति ने पोस्टरों का मूल्यांकन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पांच टीमों को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे स्वास्थ्य शिक्षा, निवारक चिकित्सा और समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।